

**हस्त-वातरक्त** पुं. (तत्.) एक प्रकार का रोग जिसमें हथेलियों में छोटी-छोटी फुंसियाँ निकलती हैं और धीरे-धीरे सारे शरीर में फैल जाती हैं।

**हस्तवान** वि. (तत्.) जो हाथ से काम करने में कुशल हो।

**हस्तशिल्प** पुं. (तत्.) मुख्यतः हाथों से प्रस्तुत किया जाने वाला शिल्प, दस्तकारी। handicraft

**हस्त-श्रम** पुं. (तत्.) हाथों (अर्थात् शरीर) से किया जाने वाला परिश्रम।

**हस्त-सूत्र** पुं. (तत्.) मंगलसूत्र।

**हस्तांक** पुं. (तत्.) किसी के हाथ की लिखावट, हस्ताक्षर।

**हस्तांकन** पुं. (तत्.) हाथ से अंकन करने, लिखने आदि की क्रिया।

**हस्तांक-पत्र** पुं. (तत्.) वह पत्र जिसके आधार पर बिना कुछ रेहन (गिरवी) रखे कुछ रकम (कर्ज) ली जाती है, और जिसमें सूद सहित वह कर्ज चुकाने की प्रतिज्ञा लिखी रहती है।

**हस्तांकित** वि. (तत्.) हाथ से अंकित किया या लिखा हुआ।

**हस्तांजलि** स्त्री. (तत्.) दोनों हाथों को जोड़कर दोने के समान बनाई जाने वाली अंजलि।

**हस्तांतर** पुं. (तत्.) दूसरा हाथ।

**हस्तांतरक** पुं. (तत्.) वह जो कोई संपत्ति या संबंध के अधिकार आदि दूसरों को देता है, हस्तांतरण करने वाला।

**हस्तांतरण** पुं. (तत्.) (संपत्ति अथवा स्वत्व आदि का) एक के हाथ से दूसरे के हाथ में जाना या दिया जाना, अंतरण।

**हस्तांतरणीय** वि. (तत्.) जिसका हस्तांतरण हो सकता है, संक्राम्य।

**हस्तांतरित** वि. (तत्.) संपत्ति या अधिकार जो एक के हाथ से दूसरे के हाथ में गया हो, जिसका हस्तांतरण हुआ हो।

**हस्तांतरिती** पुं. (तत्.) वह जिसे किसी संपत्ति का अधिकार दिया या सौंपा गया हो, अंतरिती।

**हस्ता स्त्री.** (तत्.) हस्त-नक्षत्र।

**हस्ताक्षर** पुं. (तत्.) 1. हाथ से बनाए हुए अक्षर 2. किसी व्यक्ति द्वारा लिखा जाने वाला अपना नाम या नाम का वह रूप जो इस बात का प्रमाण होता है कि ऊपर लिखी हुई बातें उसके द्वारा लिखी हैं और उनका उत्तरदायित्व मुझ पर है।

**हस्ताक्षरक** पुं. (तत्.) वह जो लेख आदि पर हस्ताक्षर करे, दस्तखत करने वाला।

**हस्ताक्षरित** वि. (तत्.) जिस पर किसी के हस्ताक्षर हुए हों या दस्तखत किया हुआ।

**हस्ताग्र** पुं. (तत्.) 1. हाथ का अग्र या आगे का भाग 2. उंगलियों के पोर।

**हस्तादान** पुं. (तत्.) हाथ से ग्रहण करना या लेना।

**हस्ताभरण** पुं. (तत्.) 1. हाथ में पहनने का आभूषण या गहना 2. एक प्रकार का साँप।

**हस्तामलक** पुं. (तत्.) 1. हाथ में लिया हुआ आँवला जो बिल्कुल स्पष्ट दिखलाई देता हो 2. लाक्ष. ऐसी वस्तु या विषय जिसका अंग-प्रत्यंग हाथ में लिए हुए आँवले के समान भली-भाँति दिखाई दे और समझ में आ गया हो, वह चीज या बात जिसका हर पहलू उसी तरह स्पष्ट हो गया हो जिस तरह हथेली पर रखे हुए आँवले का होता है।

**हस्ता-हस्ति** स्त्री. (तत्.) हाथों से होने वाली खींच तान।

**हस्ति** पुं. (तत्.) हाथी।

**हस्ति नख** पुं. (तत्.) 1. हाथी के नाखून 2. वह बुर्ज या टीला जो गढ़ की दीवार के पास उन स्थानों पर बना होता है जहाँ चढ़ाव होता है।

**हस्ति पिप्पली** स्त्री. (तत्.) गज पिप्पली।

**हस्ति प्रमेह** पुं. (तत्.) प्रमेह का एक भेद जिसमें मूत्र के साथ हाथी के मूद जैसा पदार्थ रुक-रुककर निकलता हो।